कुल पृष्ठ संख्या– 20 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 0528195

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	2½
2	6	20	6
3	6	21	4
4	6	22	4
5	3	23	
6	3	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79½
15	2	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ____

संकेतांक

(प

नोट : ... आतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन Thursday

दिनांक February 19, 2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–

   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।

   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।

   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।

   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।

5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"खण्ड – द"

20. "आतंकवाद : एक अन्तर्राष्ट्रीय समस्या"

"धरती माँ की यही पुकार,
ना हो आतंक, ना हो वार।"

(i) प्रस्तावना :

आतंकवाद आज के युग की एक अनैतिक क्रिया है। जब कोई समूह अपनी मान्यता, वर्चस्व, सोच को दूसरों पर हिंसा के माध्यम से लागू करना चाहता है, तब आतंकवाद का जन्म होता है। ऐसे करने वाले लोगों की मानसिकता नष्ट हो चुकी होती है। वे इस हद तक गिर जाते हैं कि महिलाओं और बच्चों को भी हानि पहुँचाते हैं।
आज के समय में यह अधिक गति से बढ़ता जा रहा है और पूरे विश्व की समस्या बन चुका है। ऐसे लोग समाज को तो हानि पहुँचाते ही हैं, साथ ही देश की प्रगति में बाधा भी उत्पन्न करते हैं। ऐसा इस कारण होता है क्योंकि वे गलत मार्ग का चयन करते हैं।

"आतंकवाद का हो विनाश,
विश्वबंधुत्वता से आए प्रकाश।"

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) आतंकवाद के संभावित कारण :

कई कारण आतंकवाद जैसी समस्या को उत्पन्न करते हैं। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :-

1. रोज़गार की कमी – रोज़गार न मिल पाने के कारण कुछ लोग गलत मार्ग को अपना लेते हैं।

2. कुमानसिकता – लोगों के मन में अपने और अपने समुदाय की प्रतिष्ठा स्थापित करने की भावना भी आतंकवाद को जन्म देती है।

3. धार्मिक कट्टरता – कट्टरपन आतंकवाद का जड़ है। कुछ समुदाय अपने धर्म को स्थापित करने के लिए हिंसा को चुनते हैं।

"लोगों की जिंदगी चली जाती है घर बनाने में
उन्हें शर्म नहीं आती बस्तियाँ उजाड़ने में।"

(iv) आतंकवाद को नियंत्रित करने के उपाय :

आतंकवाद को निम्नलिखित उपायों से नियंत्रित करने का प्रयास किया जा सकता है :

1. कट्टरपनती का विरोध – समाज में से कट्टरपन की भावना को हटाना चाहिए।

BSER-181/2026

क्षक द्वारा त्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

2. रोज़गार के साधन – लोगों को रोज़गार देकर उन्हें कुमार्ग से हटाकर एक अच्छे जीवन को प्रदान किया जा सकता है।

3. सख्त कानून – आतंकवाद के खिलाफ पहले ही हमारे संविधान में नियम हैं, उनका क्रियान्वयन और सख्ती से किया जाना चाहिए।

4. सामाजिक जागरूकता – सरकार के साथ-साथ जन समूह को भी जागरूक होकर अपने और अपने परिवेश की रक्षा करनी चाहिए।

"आतंकवाद का रंग हटे,
भाईचारे से उमंग बढ़े।"

(iii) आतंकवाद के उद्देश्य :

आतंकवाद के अनेक उद्देश्य हो सकते हैं जैसे:

1. अपने धर्म को श्रेष्ठ बताना – आतंकवाद सामानयतः धर्म, जाति आदि को प्रतिपादित करने के लिए जन्म लेता है।

2. अपना वर्चस्व स्थापित करना – लोग अपनी सत्ता/राज स्थापित करने के लिए भी आतंकवादी बन जाते हैं।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3. देश की प्रगति में बाधा – कोई देश दूसरे देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न करने के लिए भी आतंकवाद को बढ़ावा देता है।

"हम सब ने ठाना है,
आतंकवाद को दूर भगाना है।"

(v) उपसंहार :

आतंकवाद एक ऐसी समस्या है जो विश्व के युवाओं के हुनर, संसाधन को नष्ट करता है। समाज में भाईचारे की भावना का संचार करना चाहिए। सभी को आपस में प्रेम, सद्भाव व विश्वबंधुत्व की विचारधारा के साथ रहना चाहिए।
अतः सरकारी नियम, कानून के साथ-साथ जन सत्ता का भी आतंकवाद हटाने में महत्वपूर्ण योगदान होता है।

"आतंकवाद को हटाए,
अमन का संदेश फैलाएं।"

BSER-181/2026

[redacted]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

21. बी - 41 कृष्णा विहार
जयपुर
दिनांक : फरवरी 19, 2026

4

प्रिय अनुजा आशा,
सस्नेह शुभाशीर्वाद।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा करती हूँ कि तुम भी स्वस्थ व कुशल होंगी। कल ही माँ का पत्र मिला। उन्होंने बताया कि तुम अन्तर्विद्यालयी वाद - विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आई हो। इसके लिए मैं तुम्हारे लिए अत्यंत प्रसन्न हूँ। तुम्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ।

मुझे तुम पर पहले ही पूरा विश्वास था कि तुम ही प्रथम आओगी। आखिर तुमने इतना परिश्रम जो किया था। तुमने उस विषय के बारे में कितनी खोज की थी। कितनी सारी पुस्तकें पढ़ी थी। तो तुम्हें तो प्रथम आना ही था। आखिर मेहनत हमेशा सफलता प्रदान करती है। इसी के साथ मैं तुमसे कहना चाहती हूँ कि आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहो और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखो।

एक बार फिर बहुत - बहुत बधाइयाँ।
माता - पिता को सादर चरण स्पर्श और तुम्हारे लिए ढेर सारा प्यार।

तुम्हारी बड़ी बहन
शशी

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

22. "पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं"

पल्लवन →

(5)

उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ है कि दूसरों के सपने, दूसरों का आधार पर जीने से, मनुष्य को सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती। अर्थात मनुष्य को दूसरों के ऊपर निर्भर नहीं होना चाहिए। उसे अपने खुद के सपने देखने चाहिए, अपने स्वयं के लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। इसके बाद उसे उस लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कठोर परिश्रम करना चाहिए। मानव अपनी मेहनत, लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कठिन-से-कठिन लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। अतः उसे अपने लक्ष्य पर अडिग रहना चाहिए।

जो व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहता है, वह अपने जीवन में कुछ नहीं प्राप्त कर सकता है। जिसके अपने सपने नहीं होते, वह हमेशा ही हताश, उदास ही रहता है। अतः कभी सुखी / प्रसन्न नहीं रह पाता।

अतः मनुष्य को सपने निर्धारित करके, उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए - जिससे ही असली प्रसन्नता मिलती है।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड – 'स'

16. 'नेताजी का चश्मा' स्वयं प्रकाश द्वारा रचित है। इस कहानी में हालदार साहब द्वारा 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस' की मूर्ति पर लगे चश्मे से आश्चर्य उत्पन्न होता है क्योंकि वह बदलता रहता है। कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का चश्मा बदलता था। कैप्टन की मृत्यु के बाद मूर्ति पर चश्मा नहीं होगा, ऐसा सोचकर हालदार साहब मूर्ति की ओर नहीं देखने का निर्णय लेते हैं।
लेकिन विवशता के कारण, नजरें मूर्ति पर पड़ ही जाती हैं। परन्तु वे जब देखते हैं कि मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा है, जो कि बच्चे भी आसानी से बना लेते हैं, वे भावुक हो जाते हैं। यह सोच के कि देश की भावी जनता के मन में भी वही देश प्रेम, वही जज़्बा है।

अतः वे बच्चों के इस स्नेहपूर्ण प्रयास के द्वारा हमारे स्वतंत्रता सैनानी का सम्मान देख भावुक हो जाते हैं।

17. सूरदास द्वारा रचित सूरसागर के भ्रमरगीत प्रसंग में श्री कृष्ण उद्धव के माध्यम से योग-साधना का संदेश गोपियों को भेजते हैं। उद्धव जाते हैं परन्तु गोपियाँ भ्रमर को माध्यम बना कर उद्धव पे कटाक्ष करती हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वे कहती हैं कि योग-साधना तो उनके लिए कड़वी ककड़ी के समान है। वे श्री कृष्ण से अनन्य अनुराग करती हैं और उन्हें कभी नहीं भूल पाएँगी। ये योग संदेश उनके लिए नहीं है ये तो उन्हें जाके देना चाहिए जिनका मन चकरी के समान चलायमान है। उनका मन तो श्री कृष्ण पे लग चुका है। दिन-रात कृष्ण के ही नाम की माला जपती रहती हैं। वे स्वयं को हारिल पक्षी और कृष्ण को वो लकड़ी बताती है जिससे वे कभी नहीं अलग होंगी।

अतः योग-साधना को कड़वी ककड़ी बोलने के पीछे उनका कृष्ण के प्रति प्रेम है।

18. भोलानाथ अपने पिताजी के साथ ही अपना समय बिताते थे। वे उनके साथ ही सोते, उठते, नहाते और खाते थे।
पिताजी जब खाना - दाल दही भात उन्हें खिलाते थे, तब वह थोड़े से में ही पर्याप्त हो जाते थे।

(3)

पिताजी के खिलाने के बाद उनकी माता आती थी और कहती थी कि पिताजी को ढंग से खाना खिलाना नहीं आता, बच्चे का पेट तो माँ के हाथ से खाने के बाद ही भरता है। वे भोलानाथ को खाना खिलाते - खिलाते निम्नलिखित पंक्तियाँ बोलती थी —

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"जब खाएगा बड़े-बड़े कौर,
तब दुनिया में पाएगा ठौर।"

अतः वे अपनी ममता से खिलाती और भोलानाथ खाते थे। इसलिए पिताजी के खिलाने के बाद भी मइयाँ भोलानाथ को और खिलाने के लिए हठ करती थी।

'सूरदास'

19.

2½ ⇒ जीवन परिचय : उनका जन्म सन् 1432 में एक मान्यता के अनुसार मथुरा के पास रुनकता या दिल्ली के पास सीही माना जाता है। वे महाप्रभु वल्लभाचार्य के अष्टछाप के कवियों में सर्वाधिक लोकप्रिय थे। वे मथुरा और वृन्दावन के बीच गऊघाट पर रहते थे और श्रीनाथजी के मन्दिर में भजन-कीर्तन करते थे। सन् 1523 में पारसौली में उनका देहांत हो गया।

⇒ प्रमुख रचनाएँ : सूरसागर, सूर सारावली, और साहित्य लहरी प्रमुख रचनाएँ हैं। सूरसागर सर्वाधिक लोकप्रिय है।

⇒ साहित्यिक परिचय : खेती और पशुपालन वाले भारतीय समाज का दैनिक अंतरंग चित्र सूर की कविताओं में मिलता है। सूर 'वात्सल्य'

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

और 'श्रृंगार' रस के श्रेष्ठ कवि माने जाते हैं। कृष्ण और गोपियों का प्रेम सहज मानवीय प्रेम की प्रतिष्ठा करता है। मानव प्रेम की गौरव गाथा के माध्यम से सूर ने मनुष्य को हीनता बोध से मुक्त किया और उनमें जीने की ललक पैदा की।

→ भाषा : सूर की कृतियों में ब्रजभाषा का निखरा हुआ रूप देखने को मिलता है।

'खण्ड - ब'

7. लेखिका, 'मन्नु भंडारी', के पिताजी की सबसे बड़ी दुर्बलता गोरा रंग थी। जिसके चलते लेखिका हीन भावना की शिकार बनी।

लेखिका काली, दुबली-सी थी। उनकी बड़ी बहन सुशीला, गोरी स्वस्थ और हँसमुख थी। लेखिका के पिताजी हमेशा उनकी तुलना करते थे और सुशीला को श्रेष्ठ बताते थे। इस कारण से लेखिका हीन, संकुचित महसूस करती थी। ख्याति प्राप्त करने के बाद भी, उन्हें तुक्का ही लगता था।

P.T.O

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

8. अमीरुद्दीन की संगीत के प्रति आसक्ति दो गायिका बहनों - रसूलनबाई और बतूलनबाई के कारण हुए।
उन्होंने बचपन में अमीरुद्दीन के अनुभव पटल पर स्लेट पर संगीत रूपी वर्णमाला लिखी। अमीरुद्दीन उन दोनों गायिका बहनों को सुनकर बहुत प्रसन्न होते हैं - कभी दादरी, कभी टप्पे आदि संगीत।

2

9. आग के आविष्कार में संभवतः खाने को पकाकर खाने की प्रेरणा रही होगी। पेट भरने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। भोजन को पकाने के लिए आग के आविष्कार किया होगा। कुछ कारण जैसे - शीत, जानवरों आदि से बचने के लिए आग की आवश्यकता हो सकती है।

आग का आविष्कार करने के लिए प्रवृत्ति, सोच, संस्कृति और आविष्कार करने वाला संस्कृत व्यक्ति कहलाता है।

2

10. 'उत्साह' कविता में 'निराला' ने बादलों का चित्रण नवचेतना का संचार करने वाले के रूप में किया है। वे कहते हैं बादल गरजकर बरसो और क्रांति, परिवर्तन लाओ। पीड़ित लोगों को मुक्त करो। वे बादलों के माध्यम से नवयुवकों को संबोधित करते हैं।
साथ ही वे कहते हैं तुम छोटे बच्चे के घुंघराले बालों की तरह प्रतीत होते हो।

2

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फागुन को निम्नलिखित संदर्भों में देखा है –

2

1) प्रकृति की मादकता चारों ओर फैल चुकी है।

2) रंग-बिरंगे फूलों से संपूर्ण वातावरण सुशोभित है।

3) उनकी महक घर-घर में समा रही है। सारा वातावरण सुगंधित हो उठा है।

4) मन पक्षी के समान उन्मुक्त गगन में उड़ना चाहता है और प्रकृति की सुंदरता को महसूस करना चाहता है।

12. 'संगतकार' कविता में 'संगतकार' अर्थात सहायता करने वाले की महत्त्व भूमिका को बताया गया है।
वे अपने स्वर को धीमा रखके मुख्य कलाकार के स्वर को बढ़ावा देता है। उसकी सुर-ताल को वापस लाने में सहायता करता है। वे हर क्षेत्र - फिल्म, संगीत आदि सभी क्षेत्रों में होता है। इसकी भूमिका अहं होती है।

2

13. 'गैंगटॉक' का असली नाम 'गंतोक' था। गंतोक का अर्थ होता है – 'पहाड़'। यह वर्तमान व भूत के संधि-स्थल पर खड़ा

2

[redacted]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मेहनतकश बादशाहों का शहर है। यहाँ रंग-बिरंगे फूल, पहाड़, घाटियाँ, नदियाँ, जल-प्रपात आदि इसकी शोभा बढ़ाते हैं।

14. भोलानाथ और उसके साथी निम्नलिखित खेल खेलते थे —

2

1. मिठाई की दुकान — मिट्टी के ढेले के लड्डू, पत्तों की पूड़ी-कचौड़ी आदि बनाकर खेल खेला करते थे।

BSER-181/2026

2. घरौंदे बनाने का खेल — दियासलाई का दरवाज़ा, पिताजी का आचमनी आदि से भी वे खेलते थे।

3. शादी करवाने का खेल — वे शादी का नाटक किया करते थे। चूहे पकड़ने वाली जाली दुल्हन की पालकी, आम के पत्ते, बकरी पे बैठना आदि करके खेलते थे।

4. खेती करने — वे चबूतरे को खेत बनाते, कंकड-पत्थर - जूआ, जूत, दो लड़के बैल बनते आदि सब करके ~~फसल~~ फसल उगाने का नाटक करते थे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	15.	आस्तीन का साँप होना — विश्वासघाती होना
		वाक्य — मैं रोहन को अपना मित्र समझती थी, परन्तु वह तो आस्तीन का साँप निकला।
		खण्ड – 'अ'
12	1.(i)	(ब) अव्यय ✓ 1
	(ii)	(अ) सम् ✓ 1
	(iii)	(द) भानपुरा ✓ 1
	(iv)	(अ) खीरे ✓ 1
	(v)	(स) संगमरमर की ✓ 1
	(vi)	(अ) कृष्ण को ✓ 1
	(vii)	(द) जब उसके साथ नज़रों का बाँकपन जुड़ जाता है ✓ 1
	(viii)	(अ) चट्टान जैसा भारी ✓ 1
	(ix)	(स) मछलियों को खिलाने ✓ 1
	(x)	(द) पीसी हुई हल्दी ✓ 1
	(xi)	(अ) सिक्किम ✓ 1
	(xii)	(स) भारत लौटकर ✓ 1
	(xiii)	
6	2.(i)	तत्पुरुष समास के छः (6) भेद होते हैं। ✓ 1
	(ii)	गणेश शब्द में गुण संधि है। ✓ 1
	(iii)	ऐसे शब्द जो संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। ✓ 1

BSER-181/2026

[redacted]

...क द्वारा ...त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(iv)	जो शब्दांश किसी शब्द के बाद में लगकर नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
	(v)	पुरुषवाचक सर्वनाम तीन (3) प्रकार के होते हैं।
	(vi)	जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।
	3.(i)	(ब) मधुर वाणी
	(ii)	(अ) कठिनाइयों का
	(iii)	(अ) सकारात्मक
	(iv)	उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक – 'मधुर वाणी की महत्ता'।
	(v)	मीठी वाणी से संबंधों में घनिष्ठता आती है।
	(vi)	व्यक्ति के व्यवहार की पहचान 'वाणी' से होती है।
	4.(i)	(स) मातृभूमि को
	(ii)	(अ) नीलाम्बर
	(iii)	(द) प्रेम की
	(iv)	उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक – 'मातृभूमि का सौन्दर्य'।
	(v)	कवि ने युग-मुकुट, सूर्य-चन्द्र, मेखला रत्नाकर कहा है।
	(vi)	इस सुन्दर देश का अभिषेक पयोद (बादल) करते हैं।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	5(i)	अरब देश में फूँककर बजाए जाने वाले वाद्य जिनमें नाड़ी (नरकट या रीड) होती है, उसे 'नय' बोलते हैं। (1)
	(ii)	शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात् 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है। (1)
	(iii)	तानसेन द्वारा रची बंदिश जो संगीत राग कल्पद्रुम से प्राप्त होती है में शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी एवं मुरछंग है। (1)
	6.	अथवा
3	(i)	गोपियों ने उद्धव को बड़भागी कहा है। असल में उस पर व्यंग्य किया है और उन्होंने वो उसे भाग्यहीन कहना चाहती हैं। (1)
	(ii)	पुरइनि पात अर्थात् कमल का पत्ता जल (तालाब, नदी) के भीतर रहता है। पानी में रहते हुए भी जल का एक भी दाग उस पर नहीं लगता। (1)
	(iii)	'भोरी-अबला' गोपियों को कहा गया है। वे श्री कृष्ण से अनन्य अनुराग करती हैं और स्वयं को चींटी और श्री कृष्ण को गुड़ बताती हैं। जिस प्रकार गुड़ से चींटी अलग नहीं होती उसी प्रकार गोपियाँ भी श्री कृष्ण से अलग नहीं हो पाती हैं। (1)

समाप्त

BSER-181/2026

क द्वारा ा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

79½ / 80

26/2/26

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर